आस्ट्रेलिया

- आस्ट्रेलिया एक मात्र महाद्वीप है जिसे देश और द्वीप दोनों की संज्ञा दी जाती है। यह हिंद व प्रशान्त महासागर के बीच स्थित है।
- इसके उत्तर-पश्चिम में तिमोर सागर, उत्तर में अराफुरा सागर एवं कार्पेन्टरिया की खाड़ी, उत्तर-पूर्व में ग्रेट बैरियर रीफ की मूंगा चट्टान एवं दक्षिण में ग्रेट आस्ट्रेलियन बाइट से घिरा हुआ है।
- उत्तर में यह पापुआ न्यू गिनी से टारेस जल-संधि द्वारा अलग होता है। दक्षिण में तस्मानिया द्वीप व विक्टोरिया के बीच बास जल संधि है।
- मकर रेखा लगभग इसके बीच से गुजरती है।
- इसके पूर्वी तक के समानान्तर उत्तर में केपयार्क प्रायद्वीप से दक्षिण में तस्मानिया द्वीप तक ग्रेट डिवाइडिंग रेंज की पहाड़ी पाई जाती हैं। यह दुनिया की चौथी सबसे लम्बी पर्वत श्रृंखला है। इसकी सबसे ऊंची चोटी कोशियुस्को (2230 मीटर) है।
- ग्रेट डिवाइडिंग रेंज से ही आस्ट्रेलिया की प्रमुख नदी मरे व डार्लिंग निकलती हैं जो आस्ट्रेलिया की प्रमुख कृषि क्षेत्र है। इस उपजाऊ भूमि को रेवेनिया कहते हैं। इस क्षेत्र पर शीतोष्ण घास के मैदान पाए जाते हैं जिसे डाउन्स कहा जाता है

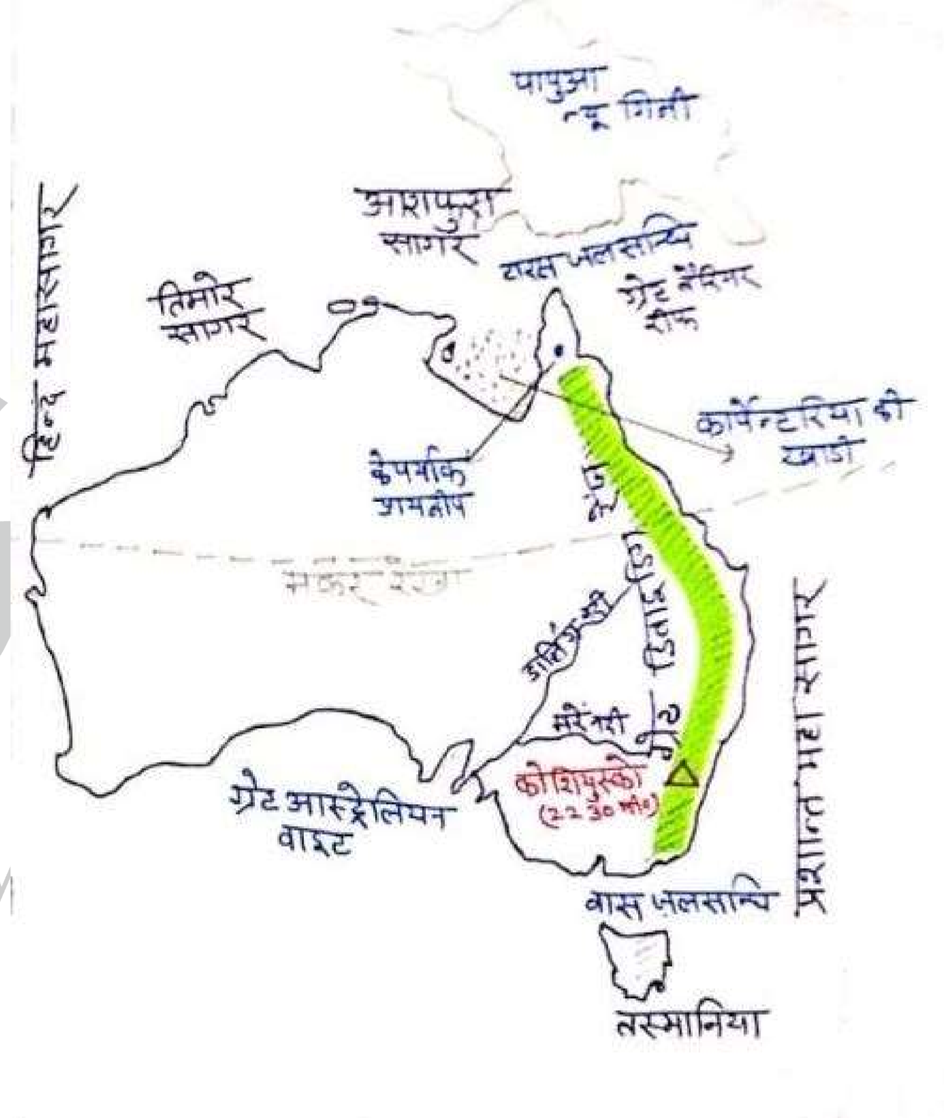

- आस्ट्रेलिया खनिज संसाधनो में धनी है एसके पश्चिम भाग मे ग्रेट विक्टोरिया नामक पठार पाया जाता है जो अनेक खनिजा से भरा हुआ है। जिसमे लोहा व सोना प्रमुख है।
- कालगुर्ली और कूलगार्डी यहा की दो महत्वपूर्ण सोने की खान है जिसे "स्वर्ण नगरी" कहा जाता है।
- पश्चिम आस्ट्रेलिया के उत्तर -पश्चिम में स्थित पिलबरा लौह अयस्क का प्रमुख केंद्र है।
- आस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्व में स्थित केपयार्क प्रायद्वीप का वाइपा क्षेत्र बाक्साइट का प्रमुख क्षेत्र है। आस्ट्रेलिया विश्व में बाक्साइट का सबसे ज्यादा उत्पादन करता है।
- ब्रोकेन हिल व माउंट ईसा लेड व जिंक के लिए प्रसिद्ध है। (लेड व जिंक को जुड़वा धातु कहते है)
- एलिस स्प्रिंग में तेल व प्रकृतिक गैस का भण्डार है।
- न्यू साउथवेल्स कोयला के लिए प्रसिद्ध है। कोयला उत्पादन में आस्ट्रेलिया विश्व में तीसरा स्थान रखता है।
- आस्ट्रेलिया यूरेनियम का एक प्रमुख उत्पादक है जो कजाकिस्तान, कनाडा के बाद तीसरे स्थान पर है।
- आस्ट्रेलिया विश्व में आयरन अयस्क का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। प्रथम पर चीन है। भारत चौथे स्थान पर है।

ONE PLATFORM

- मर्रे-डार्लिंग का क्षेत्र भेड़ पालन के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है। विश्व की एक तिहाई भेड़ आस्ट्रेलिया मे पायी जाती है। यहों के भेड़ पालन केन्द्रो पर काम करने वाले मजदूरो को जेकारु कहतेहै।
- पूर्वी उच्च भूमि समुन्द्र से आने वाली हवाओ को रोक कर पूर्वी तट पर काफी वर्षा कराते है तथा पश्चिमी भूमि सूखी रह जाती है इसलिए आस्ट्रेलिया को प्यासी भूमि का देश कहते है।
- मध्यवर्ती भाग में असंख्य उत्स्रुत कूपो का निर्माण किया गया है जिसमें से स्वतः पानी ऊपर आता रहता है। इन कूपो का विस्तृत क्षेत्र ग्रेट आस्ट्रेलियन बेसिन कहलाता है।इस क्षेत्र में स्थित आयर झील के पास की भूमि समुन्द्र ताल से 12 मीटर नीचे है।
- गेहू आस्ट्रेलिया का प्रमुख खाद्यान फसल है जिसकी सर्वाधिक उत्पादक राज्य न्यू साउथवेल्स तथा पश्चिमी आस्ट्रेलिया है।
- आस्ट्रेलिया का एक मात्र पार-महाद्वीपीय रेलमार्ग 4000 किलो मीटर लंबा है जो पर्थ को सिडनी से जोड़ता है।
- आस्ट्रेलिया मे प्रमुख सड़को को कमानवेल्थ महामार्ग कहा जाता है।

ONE PLATFORM